मंगलवार
12 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4
नॉन स्टिक पैन का इस तरह से करें सही इस्तेमाल

पृष्ठ 5
मीना कुमारी की बायोपिक में लीड रोल निभाएंगी कृति सैनन?

- देहरादून
- वर्ष 30
- अंक 73
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।
– विवेकानंद

घातक मोड़ पर कांग्रेस का घमासान

●10 कांग्रेसी विधायक नाराज, कांग्रेस छोड़ने पर मंथन जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद भी जो कांग्रेसी नेता मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने का दावा कर रहे थे वह अब सिर फुट्टवल पर उतर आए हैं। नेता, उपनेता विपक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष के नामों की घोषणा के बाद अब यह घमासान उस चरम सीमा पर जा पहुंचा है जहां कांग्रेस में फिर एक बड़े विभाजन की खबरें चर्चाओं के केंद्र में है। हाईकमान के फैसले से नाराज कल दून में कांग्रेस के आठ-दस विधायकों की बैठक किए जाने की खबर से हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने इन खबरों को निराधार बताते हुए भाजपा पर षड्यंत्र रचने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया गया है।

सच चाहे जो भी रहा हो लेकिन एक बात तो साफ है कि कांग्रेस में सब ठीक नहीं चल रहा है। केसी वेणुगोपाल और देवेंद्र यादव द्वारा गुटबाजी के कारण हार होने और प्रीतम सिंह को जिम्मेदार ठहराने को लेकर कल प्रीतम सिंह केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ चुनौती भरे लहजे में नजर आए। उनके तल्ख तेवरों को नई नियुक्तियों में उनकी उपेक्षा से जोड़कर देखा गया। लेकिन आज फिर खबर आई कि कांग्रेस के 8-10 विधायक जिसमें हरीश धामी, मनोज तिवारी, मयूख महर, ममता राकेश, खुशाल सिंह, राजेंद्र भंडारी आदि के नाम शामिल हैं, कल कोई बैठक करने जा रहे हैं। जिसमें वह कांग्रेस छोड़कर अन्य विकल्पों पर चर्चा करने वाले हैं। इस खबर ने कांग्रेस में हड़कंप मचा दिया।

हालांकि इस खबर में प्रीतम सिंह का कहीं कोई नाम नहीं आया है लेकिन कहा यही जा रहा है कि प्रीतम गुट इन नई नियुक्तियों को लेकर नाराज है। प्रीतम सिंह के अति करीब माने जाने वाले गिरिश पुनेठा ने अपना इस्तीफा देते हुए कांग्रेस हाईकमान और केंद्रीय नेताओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने यहां तक कहा है कि केंद्रीय नेता बताएं कि यह पद कितने पैसे लेकर बांटे गए हैं। यही नहीं उन्होंने चुनाव के लिए आईसीसी से आए पैसे की बंदरबांट का भी आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी बिल टू बिल जांच की जानी चाहिए।

पार्टी में मचे घमासान के बीच हालांकि कांग्रेस नेता प्रदीप टम्टा और नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष करण महारा ने इसे सिरे से खारिज किया है और कहां है कि कांग्रेस का कोई विधायक कहीं नहीं जा रहा है। अगर वह बैठक कर भी रहे हैं तो यह ऐसी कोई खास बात नहीं है। करण माहरा का तो यहां तक कहना है कि उन्हें ऐसी किसी बात की जानकारी तक नहीं है। उन्होंने इसे भाजपा का षड्यंत्र बताते हुए कहा है कि भाजपा कांग्रेस को कमजोर करने के लिए अफवाह फैला रही है। उधर नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है।

आर्य से मिले प्रीतम, गुलदस्ता भेंट कर दी शुभकामनाएं

देहरादून। भले ही एक तरफ जहां कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी तकरार की खबरें आ रही हो लेकिन वहीं दूसरी ओर राजनीतिक शिष्टाचार की खबरें भी आ रही हैं। बीते कल प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद करण माहरा ने पूर्व सीएम हरीश रावत और प्रीतम सिंह आदि तमाम वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी वहीं आज प्रीतम सिंह और आर्य की मुलाकात भी हुई जिसमें प्रीतम सिंह ने आर्य को गुलदस्ता देकर नेता प्रतिपक्ष चुने जाने की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि प्रीतम सिंह ने इन नियुक्तियों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान हेलिकॉप्टर में घुसते ही छूटा पर्यटक का हाथ, सीधे खाई में गिरा

देवघर। झारखंड के देवघर में प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर से करीब २० किलोमीटर दूर त्रिकूट पहाड़ियों पर रविवार को रोपवे की कई ट्रॉलियों के आपस में टकराने के कारण हुये हादसे में राहत एवं बचाव कार्य के दौरान एक दिल को दहलाने वाला वीडियो सामने आया है, इसमें एक शख्स को हेलीकॉप्टर से बचाव कार्य के दौरान गिरते हुए देखा। काफी ऊंचाई से गिरने के कारण इस पर्यटक की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर तक, झारखंड के देवघर जिले में त्रिकूट पहाड़ियों को जोड़ने वाली केबल कारों में करीब ४० घंटे तक फंसे पर्यटकों को भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टरों ने बचाया, जिन्होंने मंगलवार तड़के बचाव अभियान फिर से शुरू किया। अब रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त हो चुका है। इस बीच रस्सी टूटने की वजह से एक महिला जमीन पर गिर गई। उसका इलाज किया जा रहा है। इससे पहले, दो ट्रालियों के सटे होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देवघर रोपवे घटना पर झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की जांच का आदेश दिया है।

राहत: देश में पिछले 24 घंटे में आए कोरोना के 796 नए केस, संक्रमण की दैनिक दर 0.20 प्रतिशत रही

नई दिल्ली । देश में लगातार कम हो रहे कोरोना महामारी के मामलों की खबर राहत देने वाली है। कल के मुकाबले आज ६५ केस कम दर्ज किए गए हैं। पिछले राष्ट्रीय स्तर पर कोविड के नए मामलों में हो रही गिरावट के चलते देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १० हजार ८८६ रह गई है।

वहीं कोरोना से रिकवर करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश में पिछले २४ घंटे में ७ सौ ९६ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की संख्या ४,३०,३६,९२८ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार,

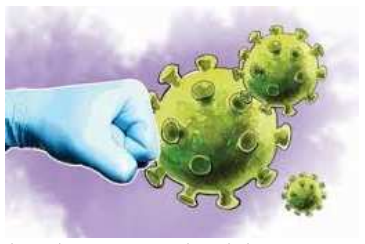

देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के ७९६ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, १९ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२१,७१० पर पहुंच गई। वहीं पिछले २४ घंटे में ९४६ लोग महामारी से ठीक हुई है जिसके बाद अब तक ठीक होने वालों की कुल संख्या ४,२५,०४,३२६ हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.२० प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.२४ प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर १०,८८९ रह गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.७६ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १९९ की कमी दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक आज सुबह सात बजे तक १८५ करोड़ ९० लाख ९८ हजार ९१६ कोविड टीके दिए जा चुके हैं। देश में पिछले २४ घंटे में चार लाख छह हजार २५१ कोविड परीक्षण किए गए हैं। देश में अब तक कुल ७९ करोड़ ४५ लाख २५ हजार २०२ कोविड परीक्षण किए गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

मलिन बस्तियों का मसला

सचिव आवास एवं शहरी विकास द्वारा उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के जिलाधिकारियों को मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू करने के जो निर्देश दिए गए हैं वह अंतिम मुकाम तक पहुंचेंगे या नहीं इस बारे में अभी कुछ भी कहा जाना संभव नहीं है। लेकिन किसी नई सरकार के गठन के तुरंत बाद मलिन बस्तियों के बारे में इस तरह की कोई पहल किया जाना एक उम्मीद जगाने वाली जरूर है। क्योंकि मलिन बस्तियों की समस्याओं पर आमतौर पर सभी राजनीतिक दल और नेताओं द्वारा सिर्फ चुनाव के दौरान ही बात की जाती है। खास बात यह है कि मलिन बस्तियों की समस्या सिर्फ उत्तराखंड राज्य की नहीं है देश की राजधानी दिल्ली से लेकर देश का कोई भी राज्य और शहर इससे अछूता नहीं है। इस समस्या का कोई स्थाई समाधान इसलिए भी संभव नहीं हो सकता है क्योंकि नगर और महानगर क्षेत्रों में आबादी लगातार बढ़ती रहती है और नेताओं की शह पर हर शहर में नई-नई मलिन बस्तियों का बसना जारी रहता है। मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे महानगरों में यह समस्या इतनी विकराल हो जाती है कि इस करोड़ों की आबादी को न हटा पाना संभव होता है और न निभा पाना। इनके पुनर्वास के प्रयास भी कुछ ही सालों में धराशाई हो जाते हैं। बात अगर उत्तराखंड की ही करें तो 2016 की गणना के अनुसार यहां विभिन्न शहरों में 582 मलिन बस्तियां चिन्हित की गई थी। जिसमें आठ लाख के आसपास आबादी बताई गई थी लेकिन यह आंकड़े सही नहीं है आज अगर इसका सही से मूल्यांकन किया जाए तो मलिन बस्तियों की संख्या हजार के पार और आबादी 15 लाख के पार हो चुकी होगी। उत्तराखंड राज्य बनने के बाद मलिन बस्तियों की संख्या में गुणात्मक तेजी से वृद्धि हुई है। हर बार चुनाव आते हैं तो सभी राजनीतिक दल इन मलिन बस्तियों के नियमितीकरण की बात करते हैं तथा इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देने का वायदा किया जाता है लेकिन अब तक तो किसी भी सरकार द्वारा ऐसा किया नहीं जा सका है। बीते सालों में हाईकोर्ट द्वारा अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे तो इन मलिन बस्तियों पर जब बुलडोजर चलने की नौबत आई तो सरकार ने अध्यादेश का सहारा लेकर इनकी सुरक्षा का रास्ता तलाश कर लिया गया था। भाजपा सरकार भी अदालत को इनके पुनर्वास और नियमितीकरण के लिए आश्वासन देकर इनका बचाव करती रही है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर यह कब तक चलता रहेगा सरकार को इन मलिन बस्तियों और इनमें रहने वालों की समस्याओं का कोई तो हल निकालना ही पड़ेगा। सरकार ने भले ही अब इस समस्या के समाधान की पहल शुरू कर दी हो लेकिन यह मामला इतना आसान भी नहीं है। इन बस्तियों को उजाड़ा जाना संभव नहीं है क्योंकि यह लाखों लोगों के सिर छुपाने का जरिया और ठिकाना है। सरकार इन बस्तियों का सिर्फ नियमितीकरण ही कर सकती है जिससे इनमें रहने वालों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके और उन्हें टैक्स के दायरे में लाया जा सके। वही सरकार को नई मलिन बस्तियों को बसने पर सख्ती से रोक लगाने के उपाय करने होंगे जिससे यह समस्या फिर विकराल रूप धारण न कर सके।

धूं-धूं कर जल रहे हैं निम व वरुणावत के जंगल

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी । उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग थमने का नाम नहीं ले रही है। उत्तराखंड के कुल क्षेत्रफल ५४८३४ वर्ग किलोमीटर में से ३४४३४ वर्ग किलोमीटर हिस्से में वन क्षेत्र है। उत्तरकाशी जिले में ८८ प्रतिशत क्षेत्रफल में जंगल क्षेत्र है। किसी भी देश मे आदर्श पर्यावरण के लिए ३३ प्रतिशत भूभाग में जंगल होने चाहिए। देश मे १९५२ में पहली बार जब अपने देश की वननीति बनी तब देश मे कुल २३ प्रतिशत वनक्षेत्र ही थे जो अब घटकर मात्र ११ प्रतिशत ही बच गए हैं। अगर जंगलों की आग इसी तरह प्रतिवर्ष यों ही भीषण रूप लेती रहे तो बचे खुचे जंगलों को समाप्त होने में समय नहीं लगेगा।

उत्तरकाशी के निम के जंगलों व जिला मुख्यालय से लगे वरुणावत पर लगी भीषण आग की लपटें तो मानों आसमान को छूने को लालायित हैं। उत्तरकाशी जिले का महकमा और उसके मुखिया यानी डीएफओ साहब कहीं चौन की नींद सो रहे हैं। समूचे उत्तराखंड में इस सीजन में आग की १००० से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। करोड़ों की वन उपज व हरियालीनष्ट हो चुकी हैं। वन्य जीव जंतुओं के लिए जंगलों की आग एक भयंकर आपदा से कम नहीं। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग अब वनविभाग के लिए चिंता का विषय नहीं रह गया है। उत्तराखंड के जंगलों का आग से जलना अब नियति बन चुका है। जिले–जिले, शहर–शहर, जंगल–जंगल से आग पसर कर समूचे गढ़वाल व कुमायूं मंडल को अपने आगोश में ले चुकी है। समूचा उत्तराखंड धुयें की आगोश में हैं। वनविभाग के आग बुझाने के तमाम दावे जंगलों की भीषण आग के आगे बौने साबित हो रहे हैं। जंगलों की आग के लिए आखिर जिम्मेदार कौन हैं? और जंगलों की आग आखिर बुझाए कौन? ये दो सवाल यक्षप्रश्न की तरह आज से नहीं दशकों से अनुत्तरित हैं।

विधायक खजानदास ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जन समस्यायें

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सुभाष रोड, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान विधायक खजानदास ने मुख्यमंत्री के समक्ष जन समस्याओं को रखा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्यों में हो रही देरी से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मछली बाजार को अन्यत्र शिफ्ट करने के लिए भी उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया।

इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र राजपुर की जनता को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाई जायेगी। मछली बाजार की समस्या के लिए उचित हल निकाला जायेगा। मुख्यमंत्री ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों पर जनता ने मुहर लगाई है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में विकास की दृष्टि से प्रदेश के आने वाले 5 साल स्वर्णिम वर्ष होंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा हम जनता के विश्वास एवं उनकी आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार "विकल्प रहित संकल्प" के ध्येय वाक्य पर काम कर रही है। जनता से किये गये वायदे एवं जो भी घोषणा की जा रही हैं, वे सभी निर्धारित समय के अन्दर पूर्ण किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में आगामी चार धाम यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु के आने की संभावना है। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा गई हैं। समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान केबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, गणेश जोशी, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक खजान दास, सविता कपूर, मेयर सुनील उनियाल गामा मौजूद थे।

स्वास्थ्य व्यवस्था चाक चौबंद करने के लिए नई व्यवस्थाएं लागू

विशेष संवाददाता

मुनस्यारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को चाकचौबंद करने के लिए एक नयी व्यवस्था बनाई गई है। अब मुनस्यारी वालों को जांच के लिए 130 किमी की दौड़ लगाकर पिथौरागढ़ नहीं जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य केंद्र में हाथों हाथ 13 जांचें हो रही है। शेष चार जांचो के लिए एक प्राइवेट लैब के साथ करार भी किया गया है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की अध्यक्षता में स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ गौरव कुमार की उपस्थिति में बैठक हुई। बैठक में जिपं सदस्य मर्तोलिया ने स्वास्थ्य केंद्र की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर एक नयी व्यवस्था को आगामी सोमवार से लागू करने का खांका तैयार किया। बैठक में तय किया गया है कि रोज ओपीडी में दो डाक्टर मरीजों को देखेंगे। जिसमें एक महिला डाक्टर अवश्य बैठेगी।

तय किया गया है कि बाजार से न अनावश्यक जांचें की जायेगी न ही दवाईयां लिखी जायेंगी। टीकाकरण के लिए कुछ नये स्थानों को चिन्हित कर एक नया रोस्टर बनाया जा रहा है कि जिसके लागू होते ही बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। एक्सरे टैक्नीशियन के आने के बाद पांच साल के बाद स्थानीय लोगों के एक्सरे भी होने लग गये है। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए एबीजी सहित कुछ यंत्रों को क्रय करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया है कि गांव गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चो के साथ अन्य मरीजो का हैल्थ कार्ड बनाकर उनके उनका डाटाबेस तैयार किया जायेगा।

जिपं सदस्य मर्तोलिया ने कहा कि हम सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को आम जनता के लिए आसान बनाने के लिए इस तरह के नायाब प्रयोग कर रहे है। कहा कि निरीक्षण के दौरान दो लिपिको के द्वारा अपना कार्यालय पिथौरागढ़ सीएमओ कार्यालय में नियम विरुद्ध चलाने की जानकारी मिली है। एक सप्ताह के भीतर लिपिको के तैनाती स्थल पर स्थायी तैनाती हो,नहीं तो आंदोलन ही एकमात्र विकल्प बचेगा। बैठक में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डां गौरव कुमार, डां प्रणिता टोलियां, डांस शेलजा, सीनियर स्टाफ नर्स सर्वमंगला, निकिता गर्ब्याल, शाहरुख अली, दीपिका बिष्ट, एएनएम हेमलता, गंभीर मेहता आदि मौजूद रहे।

यां पूषन्ब्रह्मचोदनीमारां बिभर्ष्याघृणे।
तया समस्य हृदयमा रिख किकिरा कृणु।।

(ऋग्वेद ६–५३–८)

हे जीवन का पोषण और विकास करने वाले स्वामी ! हृदय की कठोरता को दूर करके उसमें दान की कोमलता को भर दें। हमारी बुद्धियों को सत्य और असत्य का भेद करने वाली बना दे।

O Lord who nurtures and develops life ! Remove the hardness of the heart and fill it with the tenderness of charity. Make our intellects to distinguish between truth and untruth.

(Rig Veda 6-53-8)

अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों पर बीते रोज प्रशासन का बुल्डोजर चल गया। बीते रोज निगम व प्रशासन की टीमों ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध कब्जे का ध्वस्तीकरण कराया गया है।

बीते दिनों सहस्त्रधारा रोड स्थित श्री एन्क्लेव एंव नारायण विहार स्थित सरकारी भूमि को कुछ भू माफियाओं द्वारा खुर्द बुर्द किया जा रहा था। इस मामले में जागरूकता दिखाते हुए क्षेत्रवासियों द्वारा प्रशासन को मामले से अवगत कराया गया। जिस पर कार्यवाही करते हुए प्रशासन की ओर से पटवारी कृपाल सिंह राठौर व निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होने अवैध कब्जे का ध्वस्तीकरण कराया गया। बता दें कि राजधानी देहरादून में इन दिनों भूमाफियाओं के हौसले बुलंद है। बीते दिनों कुछ भूमाफियाओं द्वारा रायपुर क्षेत्र के रिंग रोड स्थित एक भूमि पर कब्जे का प्रयास किया गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था।

सड़क दुर्घटना में कार सवार व्यक्ति की मौत

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे गणेशपुर स्थित जंगल में आज सुबह एक रोडवेज बस और ब्रेजा कार में जबरदस्त भिड़ंत में ब्रेजा कार चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली-देहरादून स्थित नेशनल हाईवे गणेशपुर और मोहंड के बीच तेज रफ्तार से सहारनपुर की ओर से जा रही रोडवेज बस देहरादून की ओर से आ रही एक ब्रेजा कार से टकरा गई। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी भयंकर थी कि ब्रेजा कार चालक कार में ही फंस गया और वहीं पर उसकी मौत हो गई। सुबह सवेरे सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर बिहारीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा किया दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाली मौहल्ला निवासी वीरेन्द्र पोखरियाल की पुत्री ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पिता व मां के साथ कार से ओल्ड सर्वे रोड की तरफ जा रहे थे वहां पर यातायात का काफी दबाव था तभी एक कार उनके सामने आकर रूक गयी तथा कार सवार द्वारा जोर-जोर से हार्न बजाया जाने लगा तभी कार में से दो व्यक्ति बाहर आये और उसके पिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। वह व उसकी मां जब उनको बचाने के लिए गयी तो उनके साथ भी मारपीट की गयी। किसी तरह से आसपास के लोगों ने वहां पर पहुंचकर उसके पिता को उनके चंगुल से बचाया। दोनों हमलावर जाते हुए उसके पिता को जान से मारने की धमकी देकर चले गये। वहीं दूसरी तरफ से भी सेवक आश्रम रोड निवासी इतखाब आलम ने भी वीरेन्द्र पोखरियाल व अन्य के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने भानियावाला तिराहे के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख वाहन को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप पुत्र टीकम सिंह निवासी कलियर हरिद्वार बताया। वहीं रायवाला थाना पुलिस ने खांड गांव पुलिस के पास एक व्यक्ति को एक पेटी शराब के साथ पकड लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पूरण सिंह पुत्र पानसिंह निवासी गैरसैण बताया।

पेयजल किल्लत पर जताई नाराजगी

श्रीनगर (आरएनएस)। कीर्तिनगर विकासखंड के चौरास न्यू मढ़ी में पानी की किल्लत पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्यक्त की है। लोगों ने कहा कि बार-बार इस समस्या को लेकर प्रशासन तथा पेयजल विभाग को सूचित करने पर भी समाधान नहीं किया जा रहा है। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कहा शीघ्र ही इस संदर्भ में एक बार फिर एसडीएम कीर्तिनगर से वार्ता की जाएगी। यदि जलापूर्ति सुचारू नहीं होती है तो उग्र जनांदोलन शुरू कर दिया जाएगा। एकता विकास समिति न्यू मढ़ी चौरास की बैठक में समिति के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह कंडारी व मंत्री योगेश्वर प्रसाद डिमरी ने कहा कि मढ़ी नई बस्ती सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ तो यह समस्या और विकराल बन जाएगी। बैठक में न्यू बढ़ी में सफाई व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। कहा समिति अपने संसाधनों से वैकल्पिक रूप से सफाई की व्यवस्था करेगी। इस मौके पर मढ़ी में पथ प्रकाश की व्यवस्था के लिए उन्होंने विधायक विनोद कंडारी का आभार भी जताया।

पॉश कालोनियों में क्यों नहीं चलता पुलिस का सत्यापन अभियान?

संवाददाता

देहरादून। पुलिस का सत्यापन अभियान मलिन बस्तियों, गली मौहल्लों तक ही क्यों सीमित रहता है। पॉश कालोनियों में पुलिस का सत्यापन अभियान फुस्स क्यों हो जाता है इसके बारे में अभी तक ना तो कोई अधिकारी ही स्पष्ट कर सके। जबकि अभी तक कई कुख्यातों का इन पॉश कालोनियों में छुपे होने के प्रमाण मिल चुके हैं।

राज्य बनने के बाद प्रदेश में बाहरी राज्यों से लोगों का यहां पर जमावाडा शुरू हो गया। जहां बाहर से व्यापारियों ने प्रदेश में आना शुरू किया तो वहीं बाहरी राज्यों के कुख्यातों के भी कदम दून में पडने शुरू हो गये। जिसके लिए पुलिस समय-समय पर सत्यापन अभियान चलाती है। पुलिस का यह सत्यापन अभियान पुलिस को ही मजाक का प त्र बनाता है। पुलिस सत्यापन अभियान के नाम पर सुबह पांच-छह बजे मलिन बस्ती में ऐसे लाव लश्कर के साथ पहुंचती है जैसे सुल्ताना डाकू को पकडने के लिए आयी हो। वहां पर रहने वाले गरीब तबके के लोगों की लाईन लगा दी जाती है तथा मकान मालिकों के चालान काट दिये जाते हैं। मकान मालिकों के चालान काटकर पुलिस अधिकारी ऐसा दर्शाते हैं कि जैसे बहुत बडा काम कर दिया हो लेकिन होता इससे उल्टा ही है। क्योंकि कुख्यात किसी गली मौहल्ले व मलिन बस्तियों में नहीं ठहरते थे। इनका निशाना पॉश कालोनियां होती थी। जबकि पुलिस बदमाशों की तलाश मलिन बस्तियों व गली मौहल्लों में करती है। इस बात के कई प्रमाण पुलिस को मिल भी चुके हैं।

मुम्बई के मजदूर नेता दत्ता सावंत के दोनों हत्यारें (छोटा राजन के शूटर) दून के ही आर्यनगर की पॉश कालोनी में कोठी किराये पर लेकर रह रहे थे। अगर वह दादर हवेली के व्यापारी से रंगदारी ना मांगते तो दून पुलिस सपने में भी उनको नहीं पकड पाती। इसके अलावा भी बिहार का एक कुख्यात बसंत विहार की पॉश कालोनी में महीनों से किराये पर कोठी लेकर रह रहा था तथा आसपास के लोग उसको शरीफ आदमी मान रहे थे लेकिन जब बिहार पुलिस ने उसको वहां से गिरफ्तार किया तब पता चला कि यह बिहार का इतना कुख्यात बदमाश है कि उसने पचास से भी अधिक हत्यायें एके-47 से कर रखी हैं। यह ऐसे उदाहरण है जिनको देखकर पुलिस को भी समझ लेना चाहिए की कुख्यातों की पसंद पॉश कालानियां होती है। यही नहीं अभी हाल के वर्षो में पंजाब की नाभा जेल ब्रेकडाउन की योजना भी यहीं बनायी गयी थी। नाभा जेल को तोडने व वहां से कुख्यात आतंकियों को छुडाने का मास्टर माइंड परमिन्दर अपने साथियों के साथ सहस्त्रधारा रोड में स्थित पॉश कालोनी में ही रह रहा था तथा उसने यहीं रहकर नाभा जेल तोडने की योजना बनायी थी तथा यहीं से वह एके-47 लेकर पंजाब गया था। इसका खुलासा भी जब उसको सहारनपुर से गिरफ्तार करने पर हुआ था। इन सब घटनाओं के बाद भी अभी तक पुलिस का सत्यापन अभियान पॉश कालोनियों में नहीं चला है। क्या कारण है कि पुलिस पॉश कालोनियों में सत्यापन अभियान चलाने से कतराती है? इसका तो पुलिस अधिकारी ही जाने?

विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन

देहरादून (संवाददाता)। आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों ने प्रदर्शन कर अनिश्चितकाल के लिए धरना दिया।

आज यहां उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कुछ दिन पहले छात्र छात्राओं को बताया गया था कि उनकी फीस 48 हजार रूपये हो गई है। आदेश के पश्चात बच्चों ने पूरी फीस जमा कर दिया और उन्हें फीस रसीद भी प्रदान कर दी गई बाद में जब बच्चों ने परीक्षा फार्म भरना शुरू किया तो अब उन्हें बताया गया कि अब उनकी फीस एक लाख बीस हजार रूपये कर दी गई है और अब बच्चों को बढ़ी हुई फीस जमा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। फिस वृद्धि के विरोध में छात्रों ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है। जब तक बात नही मानी जाती तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। धरना देने वालों में अखिलेश सिंह, आशीष सिंह, गौरव चौहान, पंकज भरद्वाज, दीपक यादव, मंथन आदि छात्र शामिल हैं।

चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आर. पी. इंजीनियरिंग वर्क्स कंपनी सिडकुल से टर्न टेबल स्ट्रीथ मशीन चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को चोरी की गई मशीन व चोरी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज रामकेवल पुत्र राम लखन निवासी सिडकुल द्वारा थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनकी आर.पी इंजीनियरिंग वर्क्स कंपनी से टर्न टेबल स्ट्रीथ मशीन चोरी कर ली गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को आज सुबह सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल लोग क्षेत्र में देखे गए हैं।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध टेंपो विक्रम आता हुआ दिखाई दिया पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो उसमें रखी टर्न टेबल स्ट्रीट मशीन बरामद हुई। टेंपो विक्रम में बैठे तीन लोगो ने पूछताछ में उक्त चोरी में अपना हाथ कबूल करते हुए अपना नाम आशु कटारिया पुत्र चंद्रशेखर कटारिया, प्रवीण कटारिया पुत्र राजा कटारिया निवासी रोशनाबाद व आशीष पुत्र देवेंद्र निवासी कनखल हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

इन ट्रिक्स की मदद से करें शॉवर की सफाई

गर्मियों का मौसम आ चुका हैं जिसमें सभी सबसे ज्यादा आनंद लेनेते हैं नहाने का जो शरीर को ठंडक प्रदान करता हैं। इसमें भी कई लोग शॉवर से नहाने का आनंद लेना पसंद करते हैं। ठंड के दिनों में तो कोई शॉवर का इस्तेमाल नहीं करता हैं जिसकी वजह से बहुत दिन काम ना आने की वजह से इसमें पानी जमने की समस्या पैदा हो जाती हैं और शॉवर से पानी धीरे आने लगता हैं जिसकी वजह से नहाने में वह आनंद नहीं आ पाता हैं। शॉवर हेड कई कारणों से ब्लॉक हो सकता है लेकिन मिनरल और जंग का लगना मुख्य कारण हैं जो ब्लॉकेज का कारण बनते हैं। ऐसे में आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ ऐसे घरेलू नुस्खें लेकर आए हैं जिनकी मदद से शॉवर की सफाई की जा सकती हैं और पानी के प्रेशर को बढ़ाया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

बेकिंग सोडा और सफेद सिरका

शावर की सफाई करने की तरकीब आपके किचन में ही मौजूद है। जी हां, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका किचन के ही नहीं बल्कि बाथरूम के भी बेस्ट क्लीनिंग एजेंट्स होते हैं। इनकी मदद से आप शावर को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके अलावा सफाई के लिए एक मोटा रबर बैंड और पॉलीथिन भी ले लें। सबसे पहले बेकिंग सोडा में सिरका डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस सॉल्यूशन को पॉलीथिन में डालकर शावर के छेद पर कसकर बांध दें। इसे आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आधे घंटे में ये सॉल्यूशन शावर के छेद में जमा गंदगी को साफ कर देगा।

हार्पिक स्प्रे का इस्तेमाल

अगर शावर में खारा पानी जम गया है तो सबसे पहले नीचे से पानी की सप्लाई बंद करें और इसमें हार्पिक स्प्रे अंदर डालने की कोशिश करें। अगर आप शावर का कैप निकाल पाएं तो उससे स्प्रे डालें अगर नहीं तो ब्रश और कपड़े की मदद इसे शावर के अंदर डालने की कोशिश करें। ध्यान रहे कि नॉजल स्प्रे वाली जाली को निकाल दें। क्योंकि अगर ये लगी रहेगी तो ये मिक्सचर किसी भी तरह से शावर के अंदर नहीं जा पाएगा। आपको इसे 20 मिनट के लिए छोड़ना है और उसके बाद गुनगुने पानी से साफ करना है। ध्यान रहे जंग के समय आप नॉर्मल पानी इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन खारे पानी को साफ करने के लिए गुनगुना पानी लें ताकि इसमें केमिकल रिएक्शन हो और नल साफ हो।

ईनो होगा मददगार

कई बार घर में बेकिंग सोडा या सिरका मौजूद नहीं रहता है। ऐसे में आप इनकी जगह ईनो का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक पैकेट ईनो में नींबू का रस और थोड़ा सा पानी मिलाकर घोल बना लें। इसे भी पॉलीथिन में डालकर शावर हेड पर बांध दें और आधे घंटे बाद खोल दें।

सूर्या की 41वीं फिल्म में हुई कृति शेट्टी की एंट्री

साउथ के जाने-माने निर्देशक बाला की नई फिल्म सूर्या 41 को लेकर खूब चर्चा चल रही है। बताया जा रहा है इस फिल्म का फैंस कई दिनों से इंतजार कर रहे है। इस फिल्म में आपको साउथ के बड़े स्टार सूर्या नजर आने वाले है। इस फिल्म से जुड़ी एक खास बात ये भी है कि सूर्या और निर्देशक बाला एक दूसरे साथ करीब 18 साल बाद काम कर रहे है। इस फिल्म की अपोजिट फीमेल लीड को लेकर हर जगह सवाल हो रहे थे। अभ जाकर इसका जवाब मिल गया है। जिसे जानने के बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे है। तो चलिए जानते है कौन है अपोजिट फीमेल लीड रोल।

निर्देशक बाला की नई फिल्म हैशटैग सूर्या 41 में आपको सूर्या के साथ टॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक कृति शेट्टी नजर आने वाली है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि कृति शेट्टी पहली बार सूर्या के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। कृति शेट्टी के अलावा इस फिल्म में कई और स्टार्स नजर आने वाले है। इस बात की जानकारी 2डी एंटरटेनमेंट के ट्विटर हैंडल से दी गई है। इसमें जमकर कृति शेट्टी की तारीफ की गई है।

बताया जा रहा है कि फिल्म का प्लॉट नंधा और पीथमगन जैसी फिल्मों के प्लॉट से बिल्कुल अलग होगा। इस फिल्म में सूर्या का किरदार ऐसा होगा जो पहले तमिल सिनेमा में नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है ये फिल्म काफी बड़े बजट में बनने वाली है। अब देखना ये होगा की क्या ये सूर्या की ये फिल्म राम चरण की फिल्म आरआरआर को पीछे छोड़ पाएगी या नहीं। सूर्या और कृति शेट्टी की लीड रोल वाली फिल्म को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

नॉन स्टिक पैन का इस तरह से करें सही इस्तेमाल

आजकल घरों में नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल बहुत होता हैं जो कि किचन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका हैं। इसमें खाना पकाना इतना आसान और हेल्दी होता है। नॉन-स्टिक सतह आपके भोजन को बर्तन से चिपकाने के जोखिम को कम करती है। दरअसल नॉन स्टिक पैन की ऊपरी सतह पर एक खास कोटिंग की जाती है जिसकी वजह से कुकिंग के दौरान खाना चिपकता नहीं है। अगर यह कोटिंग खराब हो जाती हैं तो पैन व्यर्थ हो जाता हैं। ऐसे में आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिनकी जानकर नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल किया जाए तो ये सालोंसाल चलेंगे। तो आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में...

थोड़े से तेल का इस्तेमाल

भले ही यह एक नॉन-स्टिक पैन है, लेकिन यह जानना जरूरी है कि इस पर थोड़े से तेल का उपयोग करना चाहिए। लेकिन इसे करने का सही तरीका क्या है? अगर आप यह जानना चाहती हैं तो हम आपको बता दें कि थोड़ा सा तेल लेकर स्पैटुला का उपयोग करके इसे बर्तन पर फैला दें। एक पेपर टॉवल का इस्तेमाल करके तेल को पोंछ लें और खाना बनाना शुरू करें।

पहली बार साबुन के पानी से धोएं

जब आप पहली बार कोई नॉन-स्टिक कुकवेयर घर पर लाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि इसे आपको सबसे पहले साबुन और गर्म पानी से साफ करना होगा ताकि इसमें मौजूद सारी गंदगी या अवशेष साफ हो जाएं। इसके लिए एक सॉफ्ट स्पंज का इस्तेमाल करके इसे रगड़ें और फिर साफ करें। इसे पूरी तरह से सूखने दें और फिर यह उपयोग के लिए तैयार है।

वेजिटेबल स्टिर फ्राई

दरअसल स्टिर फ्राई वेजिटेबल एक ऐसी डिश है जिसे हाई फ्लेम पर बनाया जाता है और कैरेमलाइज करना होता है लेकिन आपको बता दें कि नॉन स्टिक पैन हाई फ्लेम की हीट को कम कर देता है। जबकि नॉन स्टिक पैन में ज्यादा हाई हीट नहीं देनी चाहिए। इससे उनकी कोटिंग पर असर पड़ता है और खाने में टॉक्सिक तत्व घुलने लगते हैं।

मेटल चम्मच के इस्तेमाल से बचें

अगर आप चाहती हैं कि आपके नॉन-स्टिक बर्तन लंबे समय तक चलें तो खाना पकाने के लिए कभी भी मेटल के चम्मच या चाकू का इस्तेमाल करने से बचें। ये नुकीली चीजें बर्तन से नॉन-स्टिक कोटिंग को हटा सकती हैं। आप प्लास्टिक, लकड़ी या सिलिकॉन से बने खाना पकाने के चम्मच का इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर ज्यादा देर पकाना हो

अगर नॉन स्टिक पैन में बहुत देर तक हीट दी जाए तो इसकी कोटिंग पिघलने लगेगी और इससे निकलने वाला धुंआ खाने को टॉक्सिक यानी विषैला कर देता है जो हेल्थ के लिए बुरा होता है। दरअसल 500 डिग्री फारेनहाइट पर इसकी कोटिंग पिघलने लगती है। इस बात का भी ध्यान रखें कि खाने के बर्तन को कभी भी डायरेक्ट हीट ना दें।

स्लो कुकिंग में ना करें यूज़

स्लो कुकिंग के लिए भी नॉन स्किट पैन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर आप सॉस, सूप, मीट, खीर या कोई भी डिश जिसे कम आंच पर बहुत देर तक पकाया जाता है और ये नीचे चिपकने लगते हैं तो ऐसी चीजो को भी नॉन स्टिक पैन में नहीं पकाना चाहिए। इससे आपके पैन की कोटिंग खराब होती है और ये सेहत के लिए भी नुकसानदेह होता है।

हमेशा इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें

क्या आपको खाना बनाने के तुरंत बाद अपने कुकवेयर को पानी में रखने की आदत है? तो अपनी इस आदत को पूरी तरह से बदल लें। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि बर्तन पूरी तरह से ठंडा हो और फिर आप इसे पानी में साफ करने के लिए डालें क्योंकि तापमान में यह भारी बदलाव नॉन-स्टिक कोटिंग को नुकसान पहुंचा सकता है।

सही तरीके से साफ करें

अपने नॉन-स्टिक कुकवेयर को साफ करने के लिए हमेशा सॉफ्ट स्पंज का इस्तेमाल करें। अगर बर्तन पर कोई धब्बे या अवशेष हैं तो इसे साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और पानी के मिश्रण का उपयोग करें। अंत में, वेजिटेबल ऑयल में डूबे हुए कागज के साथ साफ करें।

इन चीजों में करें नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल

ऑमलेट, फिश, चिकेन, नूडल्स आदि को आप नॉन स्टिक पैन में आसानी से पका सकते हैं। ये सभी डिशेज काफी जल्दी बनती हैं और इन्हे अधिक देर तक पकाने की जरूरत नहीं होती। दरअसल, नॉन स्टिक पैन में मिक्स करने, टॉस करने और पलटने में समस्या नहीं आती, इसलिए मिक्स वेज, चीले, ऑमलेट जैसी चीज़ों को इस पर बहुत अच्छी तरह बनाया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य -92

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

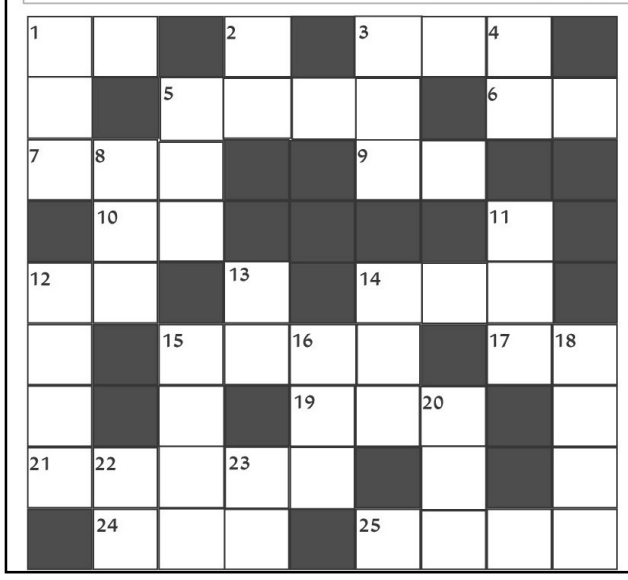

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

कुवैत में प्रतिबंधित हुई थलापति विजय की फिल्म बीस्ट?

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय अपनी फिल्म बीस्ट को लेकर छाए हुए हैं। जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, अभिनेता विजय का जादू छाया हुआ है। फैंस उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ कर रहे हैं। यह फिल्म 13 अप्रैल को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से महज कुछ दिन पहले अब मेकर्स को झटका लग गया है। दरअसल, कुवैत में फिल्म की रिलीज पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुवैत में विजय की फिल्म बीस्ट की रिलीज पर रोक लगा दी गई है। खबरों की मानें तो कुवैत के सूचना मंत्रालय ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाया है। कहा जा रहा है कि फिल्म में इस्लामिक आतंकवाद के सीन्स दिखाए गए हैं, जोकि कुवैत के हितों के खिलाफ हैं। इसमें पाकिस्तान को गलत तरीके से चित्रित करने का आरोप लगाया गया है। इन्हीं वजहों से सरकार ने फिल्म पर बैन लगाया है।

एक सूत्र ने बताया फिल्म बीस्ट में विजय का कैरेक्टर पाकिस्तान के एक उच्च अधिकारी के साथ संघर्ष में पड़ जाता है। इसलिए, कुवैत का सेंसर बोर्ड निर्माताओं द्वारा पाकिस्तान विरोधी भावना के चित्रण से खुश नहीं था। सूत्र ने आगे बताया, चूंकि फिल्म में यह सीक्वेंस महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे एडिट करने का कोई विकल्प नहीं था। इसके परिणामस्वरूप कुवैत में सूचना मंत्रालय ने बीस्ट को रिलीज नहीं होने देने का फैसला किया। फिल्म समीक्षक रमेश बाला ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट लिखकर जानकारी दी थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, सूचना मंत्रालय द्वारा कुवैत में बीस्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसका कारण हो सकता है पाकिस्तान का चित्रण, आतंकवाद या हिंसा। हाल ही में फिल्म कुरुप और एफआईआर पर भी कुवैत में बैन लगा दिया गया था। अन्य देशों की तुलना में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) में कुवैत सेंसर बोर्ड काफी सख्त रवैया अपना रहा है।

एक ट्रेड एक्सपर्ट ने कहा, कुवैत एक महत्वपूर्ण विदेशी क्षेत्र है। हालांकि, इस बैन का फिल्म पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। इसे यूएई, कतर, बहरीन आदि देशों में मंजूरी मिल गई है। फिल्म को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी पूरी तरह से रिलीज किया जाएगा। फिल्म के हिन्दी वर्जन का टाइटल रॉ रखा गया है और इसे हिन्दी भाषी बाजारों में लगभग 600-700 स्क्रीन पर रिलीज किया जाएगा। विजय के अलावा फिल्म बीस्ट में पूजा हेगड़े दिखने वाली हैं। फिल्म के हिन्दी ट्रेलर को बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने लॉन्च किया था। ट्रेलर में विजय का एक्शन अवतार दर्शकों को पसंद आया है। फिल्म में वह एक रॉ एजेंट वीरा राघवन की भूमिका में दिखने वाले हैं। फिल्म की कहानी आतंकवादियों के हाईजैक की एक घटना के इर्दगिर्द घूमती है। नेल्सन दिलीपकुमार ने फिल्म का निर्देशन किया है। बीस्ट की टक्कर केजीएफ चैप्टर 2 और जर्सी से होगी। केजीएफ चैप्टर 2 और जर्सी दोनों फिल्में 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। केजीएफ चैप्टर 2 में जहां यश लीड रोल में हैं, वहीं जर्सी में बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर दिखेंगे।

द लास्ट फ्लाइट में मेजर अतुल गजरे का किरदार निभाएंगे श्रेयस तलपड़े

हाल में आई फिल्म कौन प्रवीण तांबे? में अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने अपने अभिनय का रंग जमाया है। फिल्म 1 अप्रैल को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने क्रिकेटर प्रवीण तांबे का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक अहम प्रोजेक्ट के साथ अभिनेता का नाम जुड़ा है। वह वेब सीरीज द लास्ट फ्लाइट में मेजर अतुल गजरे का किरदार निभाएंगे। उम्मीद है कि श्रेयस एक बार फिर धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए दिखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता श्रेयस की वेब सीरीज द लास्ट फ्लाइट 9 अप्रैल को दर्शकों के बीच आएगी। इसका प्रसारण ईओआरटीवी पर किया जाएगा। इसे हिन्दी और मराठी में रिलीज किया जाएगा। यह एक एंथोलॉजी सीरीज है, जिसमें युद्ध के मैदान में ड्यूटी पर कार्यरत सैनिक, उसकी शानदार जीत और संघर्ष के कई पहलुओं को दिखाया जाएगा। श्रेयस को फिर दमदार किरदार मिला है। इस सीरीज का निर्देशन दीपक पांडे ने किया है। ईओआरटीवी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सीरीज का टीजर शेयर किया है। इसमें श्रेयस का लुक भी सामने आया है। वह मेजर अतुल के लुक में खूब जंचे हैं। टीजर में युद्ध क्षेत्र में मौजूद कुछ सैनिक नजर आए हैं। इसमें श्रेयस कहते हुए दिखे, हेलीकॉप्टर कहीं भी क्रैश हो जाएगा। अगर यहां पर ब्लास्ट हुआ, तो पूरा नासिक शहर आग की लपेट में आ जाएगा। वह खुद के साथ अपनी टीम को बचाते हुए नजर आए हैं। इस सीरीज को लेकर अभिनेता श्रेयस काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा, सीरीज द लास्ट फ्लाइट में मेजर अतुल की भूमिका निभाकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सीरीज उनके जीवन पर आधारित है। यह एक प्रेरक सच्ची कहानी है और उनके प्यार, बलिदान और संघर्षों की याद दिलाती है। मैंने दीपक जी और पूरी कास्ट व क्रू के साथ सेट पर काम करके बहुत अच्छा समय बिताया। बता दें कि मेजर अतुल गजरे ने अपने सह-पायलट कैप्टन भानु प्रताप के साथ अपनी आखिरी उड़ान में हजारों निर्दोष लोगों की जान बचाई थी। सीरीज की कहानी इसी घटना को केंद्र में रखकर बुनी गई है। फाल्गुनी शाह ने इसे प्रोड्यूस किया है। कौन प्रवीण तांबे? से पहले श्रेयस को क्रिकेट पर आधारित फिल्म इकबाल से लोकप्रियता मिली थी। फिल्म 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सुभाष घई के प्रोडक्शन की इस फिल्म में श्रेयस का अभिनय खूब जमा था। साउथ स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के हिन्दी वर्जन को क्षेयस ने डब किया था। इसमें अल्लू की आवाज का वॉयस ओवर श्रेयस ने ही किया है।

मीना कुमारी की बायोपिक में लीड रोल निभाएंगी कृति सैनन?

दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी पर बायोपिक बनने की चर्चा काफी समय से चल रही है। फैंस भी इस बायोपिक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच इस प्रोजेक्ट से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री कृति सैनन की एंट्री हो गई है। खबरों की मानें तो इस बायोपिक फिल्म में वह अदाकारा मीना के किरदार को पर्दे पर निभाएंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक में कृति मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। अभिनेत्री को फिल्म ऑफर की गई है और उन्होंने अभी तक फिल्म साइन नहीं किया है। टी-सीरीज इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट को लेकर कृति की तरफ से कुछ भी नहीं बताया गया है। खबरों की मानें तो इस प्रस्ताव के मिलने के बाद वह काफी खुश और गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

मीना के किरदार को निभाना कृति के लिए आसान नहीं होगा। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। फिल्म को निर्देशित करने के लिए कुछ नामों को शॉर्टलिस्ट भी किया गया है। फिल्म से जुड़े काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले साल ही कृति ने अपने दम पर मिमी को सफलता दिलाई थी। उम्मीद है कि वह मीना की बायोपिक के साथ भी न्याय करेंगी।

मीना कुमारी के जीवन पर बनने वाली एक वेब सीरीज की भी घोषणा हो चुकी है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। यह प्रोजेक्ट कमाल अमरोही के साथ मीना की प्रेम कहानी पर केंद्रित है। इन दोनों की प्रेम कहानी के किस्से बहुत खास थे। कमाल को पहली ही नजर में मीना से प्यार हो गया था। वह उनके दीवाने हो गए थे। खैर जो भी हो, मीना को लंबे समय तक कमाल का प्यार नहीं मिल पाया।

मीना के करियर की बात करें तो साहिब बीवी और गुलाम, पाकीजा, मेरे अपने, बैजू बावरा, दिल अपना और प्रीत पराई, दिल एक मंदिर और काजल जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए उन्हें जाना जाता है। मीना ने 31 मार्च, 1972 को हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह सिर्फ 39 साल की थीं, जब उनका निधन हुआ। हालांकि, उन्हें उनके चाहने वाले आज भी याद करते हैं।

कृति के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल में अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडे में देखा गया है। फिल्म में वह सशक्त भूमिका में नजर आई हैं। वह कार्तिक आर्यन के साथ शहजादा में भी नजर आएंगी। वह आदिपुरुष में दिखने वाली हैं। इस फिल्म में वह माता सीता का किरदार निभाने वाली हैं। कृति टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म गणपत को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म भेड़िया भी कृति के खाते से जुड़ी है।

तमिल फिल्म ओह माई डॉग 21 अप्रैल को होगी रिलीज

तमिल पारिवारिक मनोरंजन ओह माई डॉग का वैश्विक प्रीमियर 21 अप्रैल होने वाला है। फिल्म वास्तविक जीवन के फिल्मी परिवार की तीन पीढ़ियों को एक प्रदुर्शत करेगी- विजयकुमार, अरुण विजय, जो अपनी खलनायक भूमिकाओं के लिए तमिल सिनेमा में प्रसिद्ध हैं, और अर्णव विजय, डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म अर्जुन (अर्नव) और एक अंधे पिल्ले (पपी) सिम्बा के बारे में एक दिल को छू लेने वाली कहानी प्रस्तुत करती है। कहानी उनकी इच्छाओं, प्राथमिकताओं, देखभाल, साहस, जीत, निराशाओं, दोस्ती, बलिदान, बिना शर्त प्यार और वफादारी को दिखाती है।

अपारशक्ति ने पूरी की एक्शन थ्रिलर बर्लिन की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर बर्लिन की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में राहुल बोस और इश्वाक सिंह भी नजर आएंगे। अतुल सभरवाल द्वारा निर्देशित फिल्म ने दिल्ली, भोपाल, आगरा और मुंबई जैसे शहरों में शूटिंग की है।

अभिनेता ने कहा कि उन्हें अतुल के साथ काम करने में इतना मजा आया कि अब वह निर्देशक के साथ एक कॉमेडी फिल्म और करना चाहते हैं।

अपारशक्ति ने कहा कि मुझे लगता है कि अतुल सर में बहुत अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर है, जिससे लोग बिल्कुल अनजान हैं। उनके सेंस ऑफ ह्यूमर और टीम वर्क ने काम को और मजेदार बना दिया था।

उन्होंने कहा कि जहां कभी भी मैं नहीं हम होता है, वह सबसे अच्छी टीमें होती हैं। सबसे खूबसूरत टीम को अलविदा कहना थोड़ा मुश्किल है, पर बर्लिन के सेट की यादें हमारे पास हमेशा रहेंगी। पूरी टीम के साथ काम करना मजेदार रहा।

एक्शन थ्रिलर का निर्माण जी स्टूडियोज, अतुल सभरवाल और मानव श्रीवास्तव ने यिप्पी की ये मोशन पिक्चर्स के तहत किया है।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में हुई रश्मिका मंदाना की एंट्री

हाल में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा बाहर हुई हैं। शूटिंग शुरू होने से पहले परिणीति ने फिल्म से किनारा कर लिया। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्म में काम करने के लिए एनिमल छोड़ दी। अब सुनने में आ रहा है कि एनिमल में परिणीति की जगह साउथ अदाकारा रश्मिका मंदाना की एंट्री हो गई है। वह पहली बार अभिनेता रणबीर के साथ नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर की एनिमल में रश्मिका को शामिल किया गया है। खबरों की मानें तो उन्होंने फीमेल लीड भूमिका निभाने के लिए फिल्म साइन कर ली है। वह फिल्म में रणबीर की पत्नी की भूमिका निभाएंगी, जिसे पहले परिणीति निभाने वाली थीं। संदीप रेड्डी वांगा फिल्म का निर्देशन करेंगे। एक सूत्र ने बताया, भूषण कुमार और संदीप रेड्डी को लगता है कि रश्मिका इस भूमिका में फिट बैठेंगी।

सूत्र ने आगे कहा, भूषण और संदीप रेड्डी किसी अभिनेत्री के साथ रणबीर की जोड़ी को दोहराने के बजाय एक फ्रेश कास्ट चाहते थे। दोनों को लगता है कि रणबीर और रश्मिका एनिमल में अपनी केमिस्ट्री से पर्दे पर आग लगा देंगे। दोनों फिल्म में एक दिलचस्प डायनेमिक साझा करने वाले हैं। हालांकि, फिल्म में रश्मिका के शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसका निर्माण भूषण अपने बैनर टी-सीरीज के तहत करेंगे।

खबरों की मानें तो फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू होगी। कहा जा रहा है कि लव रंजन की रोमांटिक फिल्म को खत्म करने के बाद रणबीर इस फिल्म से जुड़ेंगे। एनिमल अगले साल 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें इमोशन और प्रतिशोध का भरपूर तड़का शामिल होगा। इसमें रिश्तों की जटिल कहानी को पर्दे पर उकेरा जाएगा।

रश्मिका ने अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के जरिए लोकप्रियता बटोरी। अल्लू के साथ उनकी जोड़ी खूब जमी। फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय और डांस से दर्शकों का दिल जीत लिया। 17 दिसंबर को रिलीज हुई पुष्पा बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बहुत जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वह मिशन मजनू से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। सिद्धार्थ मल्होत्रा इस फिल्म में लीड रोल में हैं। रश्मिका और सिद्धार्थ दोनों फिल्म में रॉ एजेंट की भूमिका निभाएंगे। उनकी दूसरी हिन्दी फिल्म है गुडबाय, जिसके जरिए उन्हें पहली बार अमिताभ बच्चन संग काम करने का मौका मिला है।

दक्षिण का ओटीटी प्लेटफार्म नये कंटेंट विकल्पों के साथ तेजी से बढ़ रहा आगे

कुछ ही दशकों में दक्षिण में टेलीविजन के तेजी से आगे बढ़ने की तरह ही ओटीटी प्लेटफार्म पर दक्षिणी भाषा का कंटेंट तेजी से स्ट्रीम कर रहा है, जो दर्शकों को खूब पसंद आ रहा हैं। दक्षिण में संगीत रियलिटी शो से लेकर मजबूत कंटेंट तैयार किए जा रहे हैं, जिसे दुनिया अपने घरों में दक्षिण भारतीय फिल्मों की तरह बड़ी आसानी से देख सकती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय दिग्गज चार दक्षिणी राज्यों में तेजी से बढ़ रहे हैं और उनमें से ज्यादातर भिन्न हैं।

मिनाल मुरली (मलयालम) और जय भीम (तमिल) के निर्माताओं के रूप में स्थापित दोनों तरह के फिल्म निर्माताओं और लेखकों के लिए यह एक ऐसा अवसर है जैसा दुनिया भर में पहले कभी नहीं देखा और सुना गया। साथ ही एस एस राजामौली की आरआरआर को नेटफ्लिक्स के लिए स्पेनिश, पुर्तगाली और कोरियाई में डब किया जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि नेटफ्लिक्स ने भारत, मलेशिया और श्रीलंका सहित 10 देशों में अपने तमिल एंथोलॉजी नवरसा फीचर को शीर्ष 10 में भी देखा है। नेटफ्लिक्स पर पहले सप्ताह में तमिल लेखक मणिरत्नम की सीरीज में 40 प्रतिशत से अधिक दर्शक भारत के बाहर के थे।

प्राइम वीडियो इंडिया की कहानी भी अलग नहीं है, जिसके 50 प्रतिशत दर्शक क्षेत्रीय भाषा के कंटेंट के लिए अपने-अपने गृह राज्यों के बाहर से आते हैं। विश्व स्तर पर इन फिल्मों को 170 से ज्यादा देशों में देखा जा रहा है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों का इन फिल्मों में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा है।

मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फैले तेलुगु भाषा के क्षेत्र बड़े बाजारों में से एक है। सभी प्रमुख ओटीटी नामों ने तेलुगु के लिए एक रेखा बनाई है। जी5 और सननेक्स्ट जैसे देसी दिग्गजों के साथ नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, सोनी लिव, और हॉटस्टार जैसी अंतर्राष्ट्रीय बड़ी कंपनियां हैं। इस बीच, तेलुगु ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पूरी तरह से तेलुगु में होने के साथ चर्चा पैदा कर रहा है।

कोरोना महामारी ने अनजाने में ओटीटी प्लेटफार्मों को मनोरंजन चाहने वाले तेलुगु दर्शकों के लिए जाने-माने विकल्पों के रूप में बड़ी भूमिका निभाई। ये मंच पिछले दो सालों में शोबिज और दर्शकों दोनों के लिए जीवन रक्षक के रूप में आए हैं। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी यही स्थिति है।

जाहिर है अधिकांश बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्मों और वेब सीरीज के मिले-जुले कंटेंट पर निर्भर हैं। कंटेंट लिस्ट का बड़ा हिस्सा अंग्रेजी और अन्य भारतीय फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों के डब वर्जन से बना है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन की बड़ी कंपनियों जैसे जी, सन, सोनी और स्टार को इन भाषाओं में अपनी टेलीविजन कंटेंट का मुद्रीकरण करने की अनुमति देते हैं।

हालांकि अहा को शक्तिशाली अल्लू फिल्म परिवार ने प्रचारित किया है, जिसमें सिर्फ तेलुगु कंटेंट है। अहा का बेहद लोकप्रिय टॉक शो एनबीके-टोटली अनस्टॉपेबल की एंकरिंग शीर्ष तेलुगु स्टार नंदमुरी बालकृष्ण ने की है।

अभिनेत्री प्रियामणि अभिनीत एक वेब सीरीज, भामाकलापम, जिसने फैमिली मैन में दिखाई देने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल की, उसके बाद इंडियन आइडल के तेलुगु वर्जन ने भी विकास को गति देने में अहम काम किया है।

कर्नाटक में ओटीटी की बड़ी कंपनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले सीमित किराए के अलावा राज्य भर के दर्शकों के लिए पेशकश पर कुछ और नहीं है। इसलिए राज्य के तटीय हिस्सों में बोली जाने वाली कोंकणी और तुलु भाषाओं को समर्पित ओटीटी प्लेटफॉर्म स्थापित किए जा रहे हैं।

अपने अपेक्षाकृत छोटे भौगोलिक प्रसार के बावजूद, केरल में ओटीटी प्लेटफार्मों का प्रसार देखा जा रहा है। यहां तक कि केरल सरकार की भी स्वतंत्र कम बजट वाले फिल्म निर्माताओं को समर्थन देने के लिए अपनी स्ट्रीमिंग शुरू करने की योजना है।

मूवी पर आधारित मनोरंजन कंटेंट कई कारकों के लिए सीमित होने के बाबजूद भी ओटीटी में काम करने वाले लोग अच्छा कर रहे हैं। मलयालम ओटीटी प्लेटफॉर्म अपनी खुद की पहचान बना रहा है।

मलयाली कूडे एप के संस्थापक राधाकृष्णन रामचंद्रन ने कहा, बहुत सारे प्लेटफॉर्म मुख्य रूप से फिल्मों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन हम एक व्यापक रेंज पर दांव लगाना चाहते हैं, इसलिए हम डेटा और एनालिटिक्स पर विचार कर रहे हैं। कूडे के संस्थापक राधाकृष्णन रामचंद्रन ने कहा, हमारा मानना है कि अच्छे कंटेंट के हमेशा खरीदार होंगे और इसका कई शैलियों में प्रयोग करेंगे।

जड़ कहीं और है

असल समस्या देश की स्वास्थ्य व्यवस्था है, जिस पर से लोगों का भरोसा लगातार उठता गया है। आम राय बन गई है कि अस्पताल पैसा ऐंठने के अड्डे बन गए हैं। आखिर इसके लिए दोषी कौन है? क्या चिकित्सा का उत्तरोत्तर निजीकरण और व्यावसायीकरण इसके लिए दोषी नहीं है?

राजस्थान में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो सख्त और शीघ्र कदम उठाए, वे स्वागतयोग्य हैं। लेकिन मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता की तारीफ करते हुए भी यह कहना जरूरी है कि इससे ये समस्या हल नहीं होगी। गौरतलब है कि दौसा में डॉ अर्चना शर्मा ने एक मरीज की मौत का जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। स्त्री रोग विशेषज्ञ 42 वर्षीय शर्मा अपने पति के साथ एक निजी अस्पताल चलाती थीं। हफ्ते भर पहले उनके अस्पताल में प्रसव पीड़ा से गुजर रही एक 22 वर्षीय महिला को लाया गया था। लेकिन प्रसव कक्ष में इलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गई। उसके बाद उसके रिश्तेदारों ने उसकी मौत के लिए अस्पताल को जिम्मेदार ठहराया और लापरवाही का आरोप लगाया। उनकी मांग पर पुलिस ने अर्चना शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। उन पर दफा 302 के तहत हत्या का आरोप लगा दिया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इन आरोपों से आहत होकर शर्मा ने अस्पताल के ही एक कमरे में खुद को फांसी लगा ली। उनकी लिखी एक चिट्ठी भी बरामद की गई। उसमें उन्होंने लिखा था कि पीड़ित महिला की मौत एक्यूट पोस्टपार्टम हैमरेज (पीपीएच) के कारण हुई। इस अवस्था में प्रसव के दौरान बहुत ज्यादा खून बह जाता है।

शर्मा ने लिखा- मैंने कोई गलती नहीं की और किसी की जान नहीं ली। पीपीएच एक गंभीर समस्या है, इसके लिए डॉक्टरों का परेशान करना बंद कीजिए। मेरी मौत शायद मेरी बेगुनाही साबित कर दे। कृपया निर्दोष डॉक्टरों को परेशान न करें। समझा जा सकता है कि डॉ शर्मा गहरी पीड़ा में थीं। लेकिन जिन दो पुलिसकर्मियों पर अब मुख्यमंत्री के आदेश पर कार्रवाई शुरू की गई है, उनके नजरिए से देखें, तो ऐसी अवस्था में वे क्या करते, जब पीड़ित परिवार मामला दर्ज कराने पर तुला हो? वे मामला दर्ज नहीं करते, तो दूसरा पक्ष नाराज होता। पुलिस अधीक्षक का तबादला तो सिरे से दिखावटी कार्रवाई है। असल समस्या देश की स्वास्थ्य व्यवस्था है, जिस पर से लोगों का भरोसा उठ गया है। आम राय बन गई है कि अस्पताल पैसा ऐंठने के अड्डे बन गए हैं। आखिर इसके लिए दोषी कौन है? क्या चिकित्सा का उत्तरोत्तर निजीकरण और व्यावसायीकरण इसके लिए दोषी नहीं है? अगर समस्या की जड़ यह है, तो समाधन इसी के इर्द-गिर्द ढूंढा जाना चाहिए। बाकी तमाम बातें दिखावटी हैं।

सू- दोकू क्र.92

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 91 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

अभिमान से मुक्त होना ही सच्चा ज्ञान

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

फक्कड़ मस्त कबीर ने जो कुछ देखा, स्वयं जिसका अनुभव किया, उसी को अपनी साखियों में संजोकर हमें दे दिया ताकि हम भी उस फकीर के अनुभवों से कुछ सीख सकें। यही वजह है कि उनकी रचनाएं आज भी खरी और प्रासंगिक हैं। जाने कितने ही संत और ज्ञानी यही कहते-कहते चले गए कि गर्व यानी मिथ्या अभिमान हमारा सबसे बड़ा शत्रु है, जो हर मनुष्य को भटकाता है और आदमी अपने क्षणभंगुर जीवन को भूल कर अभिमान के झूले में झूलने लगता है। वह सच को जानते हुए भी अनभिज्ञ बना रहता है।

जरा-सा धन आ जाए या फिर किसी को शारीरिक बल मिल जाए या कोई बड़ा पद मिल जाए तो तुरन्त आदमी को यह अभिमान का दैत्य जकड़ लेता है। वह सच्चाई को नजरअंदाज करके भ्रम में जीता रहता है। संत कवि तुलसीदास ने कहा है :-

क्षुद्र नदी भरि चली उतराई।
जस थोरेउ धन खल इतराई।

जब बहुत ज्यादा वर्षा हो जाती है तो छोटी-छोटी नदियां भी खूब उभार लेकर चलती हैं, वैसे ही दुष्ट प्रकृति का आदमी भी थोड़ा-सा धन पाते ही इतराने लगता है। यानी अपनी औकात को भूल कर अभिमान के झूले पर चढ़ कर खूब झूलता है और अंत में गिर जाता है। सही मायने में अभिमान अज्ञानता का ही प्रतीक है।

'अभिमान' मानव को कैसे विवेकहीन बना देता है, इसका बड़ा ही सुंदर और प्रेरक दृष्टांत हमारे शास्त्रों में मिलता है, जिसे पाठकों के संज्ञान में आना चाहिए ताकि अभिमान से बचा जा सके। दृष्टांत इस प्रकार है :-

शारीरिक अपूर्णता के चरमोत्कर्ष के प्रतीक महर्षि अष्टावक्र प्रसिद्ध विद्वान ऋषि कहोड़ के पुत्र और महर्षि उद्दालक के दौहित्र थे। ऋषि कहोड़ राजर्षि जनक की विद्वत सभा में आचार्य बंदी से शास्त्रार्थ में पराजित होने पर शास्त्रार्थ के नियमानुसार आचार्य बंदी के दास हो गए थे। अपने विद्वान पिता को दासत्व के अपमान से मुक्ति दिलाने के लिए मात्र 12 वर्ष के बालक अष्टावक्र ने जनक की विद्वत सभा में आचार्य बंदी से शास्त्रार्थ कर जब आचार्य बंदी को पराजित कर दिया, तब पराजित आचार्य बंदी अष्टावक्र के समक्ष दासभाव से खड़े हो गए और उन्होंने अपनी पराजय स्वीकार करते हुए बालक अष्टावक्र से कहा-आप जो भी दंड देंगे, वह मुझे स्वीकार है।

इसके उपरांत अष्टावक्र ने विनम्र भाव से कहा-आचार्य, मैं आपको मुक्त करता हूं। आज यही आपका दण्ड है आचार्य, क्योंकि पराजय तो स्वयं में ईश्वर द्वारा दिया गया एक कठोर दण्ड होता है। जो पराजित हो जाए, उसे दंडित करना सही मायने में एक अमानवीय व्यवहार है। आपने तो निश्चित रूप से यह अपराध किया है, परंतु मैं यह अपराध नहीं करूंगा।

सिर झुकाए खड़े आचार्य बंदी से अष्टावक्र ने अत्यंत विनम्रतापूर्वक कहा-मैं बस यही कहूंगा कि जो ज्ञान व्यक्ति में घमंड भर दे, वह ज्ञान पूर्णत: निरर्थक है। आप अभिमान जैसे भौतिक दुर्गुणों से भरे हुए हैं। मैं आपको क्षमा करते हुए अपने दासत्व से मुक्त करता हूं, परंतु याद रखें आचार्य, स्वयं के दासत्व से मुक्त होने के लिए आपको कठिन प्रयत्न करना होगा। हे आचार्य, मनुष्य का स्वयं के दासत्व यानी अभिमान से मुक्त हो जाना ही सच्चा ज्ञान होता है। महर्षि अष्टावक्र ने आगे स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं यहां आपको पराजित करने नहीं आया था, बल्कि अपने विद्वान पिता को आपके दासत्व से मुक्ति दिलाने आया था, क्योंकि पिता को दासत्व से मुक्ति दिलाना ही पुत्र का प्रथम कर्तव्य होता है। मैं यहां पराजय विजय से परे महज पुत्र का दायित्व निभाने के लिये आया था।

शारीरिक अपूर्णता के चरमोत्कर्ष के प्रतीक अष्टावक्र का यह दृष्टान्त हमारी आंखें खोलने के लिए काफी है। उनकी कही बातें आज भी सटीक हैं। निस्संदेह, ऐसी विद्वत्ता किस काम की, जो दूसरे विद्वान को 'दास' बनाकर स्वयं को बड़ा समझने का अभिमान देती हो यह सोच विद्वता की धारणा के ही विरुद्ध है।

यहां अष्टावक्र द्वारा आचार्य बंदी को क्षमा करके जो व्यवहार किया गया, उसने आचार्य के हृदय में बैठे उनके शत्रु घमंड से उन्हें मुक्ति दिला दी और वे सचमुच ही आचार्य बन गए।

कांग्रेस में डा. हरक को पद दिये जाने की मांग

विशेष संवांवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा उत्तराखंड कांग्रेस में नई नियुक्ति नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, उप नेता सदन सहित तमाम पदाधिकारियों को मनोनीत किए जाने के उपरांत कांग्रेस हाईकमान द्वारा गढ़वाल की उपेक्षा किए जाने से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मांग की है कि गढ़वाल से पूर्व कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. हरक सिंह रावत को राष्ट्रीय कांग्रेस में महासचिव व किसी राज्य का प्रभारी नियुक्त किए जाने की मांग की गयी है।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय चोपड़ा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी को गढ़वाल से संतुलन बनाने के लिए पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत को राष्ट्रीय कांग्रेस में महासचिव की जिम्मेदारी के साथ उनके राजनीतिक अनुभव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस डॉ. हरक सिंह रावत की ऊर्जा को कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए उपयोगी बनाए। उन्होंने कहा कांग्रेस हाईकमान को शीघ्र ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड राज्य में खुला अधिवेशन आयोजित किया जाना चाहिए ताकि कांग्रेस का कार्यकर्ता अपनी खुली विचारधारा के साथ कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए अपने मूल्यवान सुझाव के साथ एक मुख्य विपक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को और आगे बढ़ा सके।

कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी सहित शीर्ष नेताओं से पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत को राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव व देश के किसी भी राज्य का प्रभारी बनाए जाने की मांग करते कुंवर सिंह मंडवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मधुकांत गिरी, आशीष शर्मा, मनोज कुमार मंडल, ओमप्रकाश भाटिया, दीपक कुमार, प्रकाश चौधरी, मोहनलाल, मनीष शर्मा, नईम सलमानी, दीपक बिष्ट, चंदन सिंह रावत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भारत विकास परिषद देहरादून की नयी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

विशेष संवाददाता

देहरादून। भारत विकास परिषद देहरादून ग्रेटर शाखा का वर्ष 2022-23 का शपथ ग्रहण समारोह होटल ग्रैंड लिगेसी प्राइम में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। माह फरवरी 2022 में सम्पन्न चुनाव में घोषित अध्यक्ष कृष्ण कुमार अरोड़ा,सचिव शैलेन्द्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष अभय कश्यप एवं महिला संयोजिका सारिका चौधरी को भारत विकास परिषद उत्तराखंड पश्चिम प्रान्त की महासचिव एवं कार्यक्रम की अधिष्ठापन अधिकारी मनीषा सिंहल ने निष्ठा, कर्तव्यता एवं संकल्प की शपथ दिलाई। इसके बाद अध्यक्ष द्वारा मनोनीत कार्यकरिणी के 10 सदस्यों को शपथ दिलाई गयी जिसमें मुख्य संरक्षक अर्जुन दास भारद्वाज, उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता थे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के पूर्व में प्रान्त एवं क्षेत्र में विभिन्न पदों को शोभायमान के पश्चात वर्तमान में देहरादून कैण्ट की विधायिका सविता कपूर ने अपने अभिभाषण में शाखा के पूर्व वर्षों में कार्यक्रमों की सरहाना करते हुए इस वर्ष नयी टीम को और सराहनीय कार्य करने के लिये शुभकामनाएं दी।

प्रान्तीय महिला संयोजिका सुगन्ध जैन ने नयी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि शाखा महिलाओं के सभी कार्यक्रमों में पूर्व वर्षों की भांति उत्साह से भाग लेगी। शपथ के पश्चात अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने केन्द्र, प्रान्त के निर्धारित, निर्देशित कार्यक्रमों के अतिरिक्त हर माह एक सेवा का प्रकल्प करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सारिका चोधरी ने किया। कार्यक्रम में चार नये सदस्यों को भी सदस्यता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मनमोहन नागलिया, डॉ एन एस विर्दी, जे पी अग्रवाल, नरेश गुप्ता, नरेन्द्र गोयल, सूरज प्रकाश संघी, डॉ एस के गोविल आदि के साथ विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

दो दिवसीय दून योग महोत्सव 16 से

संवाददाता

देहरादून। अध्यात्मिक गुरू आचार्य विपिन जोशी ने बताया कि उत्तराखण्ड के गांवों को योग आयुर्वेद ग्राम के रूप में विकसित करने, पलायन रोकने और रिवर्स पलायन के लिए 2 दिवसीय 7वां दून योग महोत्सव 16 एवं 17 अप्रैल को मनाया जाएगा।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड के गांवों का योग/आयुर्वेद ग्राम के रूप में विकास जैविक खेती, गौ पालन,जड़ी बूटी उत्पादन,बागवानी, पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों, स्थानीय उत्पादों एवं शिल्प, स्थानीय संस्कृति परंपराओं, रीति रिवाजों, सौर ऊर्जा, लघु उद्योग आदि को प्रोत्साहन दून योगपीठ देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के गांवों को योग आयुर्वेद ग्राम के रूप में विकसित करने, पलायन रोकने और रिवर्स पलायन के लिए 2 दिवसीय 7वां दून योग महोत्सव 16 एवं 17 अप्रैल को मनाया जाएगा। आचार्य बिपिन जोशी ने बताया कि 16 अप्रैल को प्रात: 10 बजे बी.एस. नेगी महिला पॉलीटैक्निक ओ.एन.जी. कौलागढ़ रोड देहरादून में दून योग महोत्सव 2022 का उद्घाटन होगा।

योग पर आधारित प्रतियोगिताओं के साथ-साथ 'देवभूमि उत्तराखण्ड का वैलनेस के हब के रूप में विकास' विषय पर सेमीनार होगा। जिसमें योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म आदि के विद्वान ऑफ लाईन एवं ऑन लाईन दोनों ही माध्यमों से जुड़ेंगे। सांयकाल में टी स्टेट आर्केडिया के पास नेचर वॉक के साथ-साथ विशेष ध्यान शिविर का आयोजन होगा। १७ अप्रैल प्रात: टी स्टेट में विशेष ध्यान योग शिविर के साथ-साथ दिन में 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बी.एस. नेगी महिला पॉलीटैक्निक में योग पर आधारित प्रतियोगिताओं के साथ सेमीनार एवं पुरस्कार वितरण के साथ दून योग महोत्सव का समापन होगा।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कृषि मंत्री गणेश जोशी, शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज आदि अलग-अलग सत्रों में प्रतिभाग करेंगे। योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञ, साधक और छात्र-छात्रायें उत्तराखण्ड एवं दूसरे राज्यों से जुड़ेंगे साथ ही ऑनलाईन देश और विदेशों के योग साधक भी जुड़ेंगे।

कार्यक्रम में बी.एस. नेगी महिला पॉलीटैक्निक ओ.एन.जी. के अध्यक्ष हर्षमणि व्यास, एवरेस्ट योग इंस्टीच्यूट के डायरेक्टर योगाचार्य संजीव त्यागी, डी.टी.सी. इंडिया देहरादून के एम.डी. राहुल उपाध्याय आदि का विशेष सहयोग है। पत्रकार वार्ता में डा. सुरेन्द्र प्रसाद रयाल, योगाचार्य दीपक कुकरेती, योगाचार्य नीरज डोभाल, योग साधिका राधा गेड़ा, योगाचार्य रमेश शर्मा, योगाचार्य रेखा रतूड़ी आदि उपस्थित रहे।

दून बार एसोसिएशन चुनाव में मतदाताओं में दिखा जोश

संवाददाता

देहरादून। दून बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में मतदाताओं में काफी जोश दिखायी दिया। दोपहर तीन बजे तक

आज यहां दून बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में 11 पदों के लिए मतदान शुरू हुआ। 11 पदों के लिए 46 प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष पद के लिए जहां तीन प्रत्याशी मैदान में है तो वही उपाध्यक्ष पद के लिए सबसे अधिक नौ प्रत्याशी मैदान पर हैं। इन 46 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 3113 मतदाता करेंगे। प्रात: नौ बजे मुख्य चुनाव अधिकारी एलबी गुरूंग ने चुनाव प्रक्रिया के तहत मतदान शुरू कराया। सुबह से ही मतदाताओं में काफी जोश दिखायी दिया। दोपहर लंच तक लगभग 1200 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। लंच के पश्चात भी मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं की लम्बी लाइन लगी हुई थी। मतदान सांय पांच बजे तक चलेगा तथा आज ही देर रात्रि तक मतगणना कर जीते पदाधिकारियों के नामों की भी घोषणा हो जायेगी।

प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि के खिलाफ उक्रांद का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि के विरोध में उत्तराखण्ड क्रांति दल ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां उक्रांद कार्यकर्ता केन्द्रीय महामंत्री सुनील ध्यानी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट मायाराम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस वृद्धि के कारण अभिवावकगण अत्यधिक परेशान हैं। प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि के लिए हर वर्ष अपनी मनमानी करने लगे हैं, बेलगाम इन स्कूलों ने आम आदमी की कमर तोड दी हैं। यही नहीं प्राइवेट स्कूलों और प्रकाशकों की मिलीभगत से किताबों के दामों में भी वर्षवार वृद्धि रहती हैं जिसमे स्कूलों के मालिकों की कमीशन निश्चित रहती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग(एनसीपीसीआर)द्वारा सख्त निर्देश हैं कि भारत के किसी भी राज्य में कोई भी निजी स्कूलों में फीस मापदंड के लिए अपनी गाइड लाइन हैं जिसमें कोई भी स्कूल तीन वर्ष में अधिकतम 10 प्रतिशत ही फीस वृद्धि कर सकती हैं। आयोग द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रत्येक स्कूल अपने वेबसाइट में फीस का ढांचा देगा। आयोग द्वारा जिलेवार कमेटी बनाने का निर्देश हैं जिसका चेयरमैन जिलाधिकारी होगा तथा यह कमेटी आयोग की गाइड लाइन का पालन स्कूलों से करवाएगा। लेकिन उत्तराखंड में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की गाइड लाइन का कही भी पालन नहीं होता।

इस अवसर पर जय प्रकाश उपाध्याय, लताफत हुसैन, विजय बौडाई, विपिन रावत,अनिल अनिल डोभाल, किरन रावत, सुलोचना ईष्टवाल, देवेंद्र रावत, पंकज उनियाल, टीकम राठौर, मनोज मिश्रा, जितेंद्र आदि उपस्थित थे।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच जारी टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी कंपनियों से भारत आकर निवेश करने और मेक इन इंडिया कार्यक्रम को समर्थन देने की अपील की है। सिंह ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन एवं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने अमेरिकी कंपनियों से मेक इन इंडिया, विमानन क्षेत्र और वैश्विक कार्यक्रम पर चर्चा की। मैंने उन्हें इन कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में पहली भारत–अमेरिका टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कहा, हम सह–विकास और सह–उत्पादन के लिए अमेरिकी कंपनियों से बात कर रहे हैं। हम उनके सामने यह प्रस्ताव रख रहे हैं। हमने अमेरिकी कंपनियों से उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु गलियारे में काम करने और उस इलाके में निवेश करने को कहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, मैंने जोर देकर कहा है कि भारत सह–विकास उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगा और सभी निवेशकों को भारत आना चाहिए। उनका स्वागत है। वे भारत में मेक इन इंडिया को बढ़ावा दे सकते हैं, क्योंकि हम सब कुछ भारत में निर्माण करना चाहते हैं।

नीरव मोदी के करीबी सहयोगी सुभाष को भारत लाया गया !

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण घोटाला मामले के आरोपी नीरव मोदी के करीबी सहयोगी सुभाष शंकर परब को भारत लाया गया है। सीबीआई के सूत्रों के हवाले से ये जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई की टीम सुभाष को मिस्र के काहिरा से मुंबई लेकर आई है। सुभाष को करोड़ो रुपये के पीएनबी स्कैम मामले में जांच और पूछताछ के लिए भारत लाया गया है। सुभाष दरअसल नीरव मोदी की कंपनी का एक प्रमुख अधिकारी रहा है। सुभाष शंकर २०१८ में काहिरा भाग गया था। वह भी नीरव मोदी से जुड़े ७ हजार करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में एक प्रमुख आरोपी है। अधिकारियों ने बताया कि वह फायरस्टार डायमंड में उप महाप्रबंधक (वित्त) था। अधिकारियों के अनुसार काहिरा में कथित रूप से छुपे हुए परब को शनिर्वासित किए जाने के बादश मंगलवार तड़के मुंबई लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी की संलिप्तता वाला मामला सामने के बाद से परब फरार था।

वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर ने सबसे लंबी उड़ान का रिकॉर्ड बनाया

चंडीगढ़। भारतीय वायु सेना के एक चिनूक हेलीकॉप्टर ने सबसे लंबी उड़ान का रिकॉर्ड कायम किया। चिनूक हेलीकॉप्टर ने चंडीगढ़ से असम के जोरहाट जाने के दौरान साढ़े सात घंटे तक बिना रूके उड़ान भरी। रक्षा अधिकारियों की ओर से ये जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि चिनूक हेलीकॉप्टर ने इस दौरान १६१० किलोमीटर की दूरी तय की। अधिकारियों के अनुसार हेलीकॉप्टर की क्षमताओं के साथ–साथ भारतीय वायुसेना की परिचालन योजना व क्रियान्वयन से यह संभव हुआ। एक रक्षा प्रवक्ता ने ट्वीट किया, वायु सेना के एक चिनूक ने भारत में सबसे लंबी हेलीकॉप्टर उड़ान भरी। इसने चंडीगढ़ से जोरहाट (असम) के बीच बिना रुके उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर ने १६१० किलोमीटर का सफर ७ घंटे ३० मिनट में पूरा किया। चिनूक की क्षमताओं के साथ–साथ वायुसेना की परिचालन योजना और क्रियान्वयन के चलते ऐसा संभव हो सका।श चिनूक एक बहु–उद्येशीय होलीकॉप्टर है, जिसका उपयोग सैनिकों, तोपखाने, उपकरण और ईंधन के परिवहन के लिए किया जाता है। इसका उपयोग मानवीय और आपदा राहत कार्यों के लिए और राहत आपूर्ति के परिवहन और किसी खतरे वाली जगह से लोगों की सामूहिक निकासी जैसे मिशन में भी किया जाता है।

सीएम ने किया एचडीएफसी बैंक की आठ शाखाओं का वर्चुअल शुभारम्भ

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास से एचडीएफसी बैंक की आठ शाखाओं का वर्चुअल शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एचडीएफसी बैंक की शाखाओं के वर्चुअल उद्घाटन के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टिकरण के तहत दूर सुदूर गांवों में लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। उत्तराखंड में एचडीएफसी बैंक की वर्तमान में 80 से अधिक शाखाएं संचालित हैं, जिसके माध्यम से प्रदेश के निवासियों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बैंको को प्रयास करना चाहिए कि लोगों को बैंकिंग के क्षेत्र में सुविधाएं सुगमता से मिले। उन्होंने कहा कि जिस तरह रूस–यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण मास्टर कार्ड बंद होने से असुविधाओं का सामना करना पड़ा, वहीं भारत का रूपे कार्ड काम आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में एचडीएफसी बैंक की ओर से 1.5 लाख पौधे उत्तराखंड में लगाने का निर्णय सराहनीय कार्य है।

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गणेश जोशी, परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष वामी चिदानंद सरस्वती, अरविन्द वोहरा, कन्ट्री हेड, रिटेल ब्रांच बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक, अखिलेश कुमार रॉय, ब्रांच बैंकिंग हेड, एचडीएफसी बैंक आदि मौजूद थे।

परिवहन कर अधिकारी ने खुद को मारी गोली, हालत गम्भीर

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। एआरटीओ रुद्रपुर में तैनात परिवहन कर अधिकारी ने आज सुबह खुद को कनपटी में गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत गम्भीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह पड़ोसियों ने परिवहन कर अधिकारी जसवीर के रामनगर रोड स्थित घर पर गोली की आवाज सुनी जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन फानन में परिजन उन्हें लेकर उप जिला चिकित्सालय पहुंचे। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। परिजनों का कहना है कि जसवीर ने सुबह अपने निवास पर अपनी कनपटी से सटाकर गोली मार ली है। बताया जा रहा है अस्पताल के चिकित्सकों ने उनकी स्थित नाजुक बताकर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें आइसीयू में रखा है और उनकी स्थिति अब भी नाजुक बताई जा रही है।

जसवीर ने आत्महत्या करने की कोशिश क्यों की, यह अभी पता नहीं चल सका है। मामले में कोतवाली पुलिस ने भी पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि जसवीर पूर्व में छात्र संघ के उपाध्यक्ष और राज्य आंदोलनकारी भी रहे हैं।

चार धाम यात्रा पर महंगाई की मार

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते दिनों से पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की कीमतों में हो रही बेतहाशा मूल्य वृद्धि का असर आम उपभोग की वस्तुओं की कीमतों पर तो दिख ही रहा है इसके प्रभाव से चार धाम यात्रा भी अछूती नहीं रही है। इस बार चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी पहले की तुलना में अधिक पैसा खर्च करना पड़ेगा। निजी वाहन संचालकों द्वारा किराए में 30 फीसदी तक की वृद्धि कर दी गई है।

इन वाहन संचालकों का कहना है कि पेट्रोल–डीजल के दामों में हुई भारी वृद्धि के कारण उन्हें किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ा है। वही होटलों के किराए और खाने–पीने की वस्तुओं में भी बढ़ोतरी हो रही है। उल्लेखनीय है कि चार धाम यात्रा की शुरुआत 3 मई से हो रही है लेकिन यात्रियों द्वारा इसके लिए दो महीने पहले से ही एडवांस बुकिंग शुरू करा दी गई है। चार धाम यात्रा मार्गों पर होटल और परिवहन एजेंसियों द्वारा जो बुकिंग पूर्व समय में की गई थी वह पुरानी दरों पर की गई थी। अब उनके द्वारा यात्रा की बुकिंग कराने वाले श्रद्धालुओं से संपर्क कर इस किराया वृद्धि की जानकारी दी जा रही है। साथ ही कहा जा रहा है कि अगर उन्हें इसमें कोई आपत्ति है तो वह उनकी बुकिंग कैंसिल कर उनका पैसा वापस करने को तैयार है।

निजी वाहन संचालकों का कहना है कि जब उनके द्वारा बुकिंग की गई थी तब पेट्रोल डीजल 90 और 80 के आसपास था लेकिन अब इसके दाम 110, 90 के आसपास पहुंच चुके हैं। जिसके कारण उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। निजी वाहन संचालकों द्वारा अब किराए में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है साथ ही उनका कहना है कि आने वाले समय में अगर पेट्रोल–डीजल की कीमतों में और अधिक वृद्धि होती है तो वह किराया बढ़ाने पर मजबूर होंगे।

उधर रसोई गैस की कीमतें बढ़ने और माल भाड़ा बढ़ने से खाने पीने की वस्तुओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो रही है।

❑निजी वाहन संचालकों ने बढ़ाया किराया
❑खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी

पहाड़ों पर सारी खाद्य सामग्री मैदानी भागों से ही जाती है तथा यात्रा सीजन में खपत भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। जिसके कारण खाने पीने की वस्तुओं के दामों में वृद्धि स्वाभाविक है। होटल तथा ढाबा कारोबारियों का कहना है कि वह चार पैसे कमाने के लिए बैठे हैं इसलिए बाजार से जो बढ़त जैसी कीमत पर मिलेगी वैसी कीमत पर ही बेची जाएगी। सड़क परिवहन से लेकर रहने खाने और हेली सेवाओं के लिए इस बार चारधाम यात्रियों को और अधिक पैसा खर्च करना पड़ेगा।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।